

# पचास जनजातीय विद्यार्थियों ने किया मैपकार्ट और साइंस सेंटर का भ्रमण

जनजातीय संग्रहालय में छात्र-छात्राओं ने समझी अपनी कला व संस्कृति

भोपाल(काप्रा)

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सी.एम. राइज विद्यालय और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के बैतूल से आए 50 जनजातीय विद्यार्थियों ने युवराज को मैपकार्ट और क्षेत्रीय विद्यालय के केन्द्र का भ्रमण किया। इहें मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण भी कराया गया जिससे वे अपनी कला व संस्कृति से परिचित हुए।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और आई.आई.टी.गांधी नगर द्वारा नेहरू नगर में स्थापित एस.टी.ई.एम. वर्कशॉप सेंटर में विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान और अध्यास की जानकारी दी गई। 2 घंटे के बीच में न्यूटन के नियम, बोल्टों के प्रयोग और विज्ञान के दोनों भ्रमण के क्षेत्र में विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान और अध्यास की जानकारी दी गई। 2 घंटे के बीच में न्यूटन के नियम, बोल्टों के प्रयोग और विज्ञान के दोनों भ्रमण के क्षेत्र में विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की। उन्होंने एस.टी.ई.एम. पर आधारित गैलरी का भी



अवलोकन किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाना रहा। क्षेत्रीय विज्ञान संबंधी जानकारी भी दी गई। इस भ्रमण से इन जनजातीय विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त हुई और उनमें सीखने की ललक पैदा हुई।



## सप्ताह का प्रादर्श: मानव संग्रहालय में डंगरा-बैंत की एक टोकरी

भोपाल। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के नवीन त्रिखला सप्ताह का प्रादर्श के अंतर्गत आज दिसंबर, माह के चतुर्थ सप्ताह के प्रादर्श के रूप में डंगरा-बैंत की एक टोकरी मोन, नागालैंड के कोन्याक नागा समुदाय, संग्रहालय द्वारा सन, 1998 में संकलित किया गया है। इस प्रादर्श को इस सप्ताह दर्शकों के मध्य प्रदर्शित किया गया।

इस सम्बन्ध में संग्रहालय के निदेशक डॉ. अमिताभ धार्डे ने बताया कि डांगरा खोपड़ी से सुसज्जित एक टोकरी है जो आयताकार आधार के साथ एक अण्डाकार रिम तक बांस की पतली पट्टियों से पटकोणीय बुनाई में बुनी गई है। कंधे पर लटकाने के लिए इसमें एक पट्टा होता है। टोकरी की बाहरी सतह पर से ढकी हुई है और इसके सामने वाले हिस्से में पाँच बदरों की खोपड़ियाँ जुड़ी हुई हैं। इसका उपयोग निजी सामान ले जाने के लिए किया जाता है। यह नागा समुदायों में प्रचलित मुंदाखेट की प्रथा के प्रचलन के दिनों में मुड़ प्राप्त करने वालों की सफलता के प्रतीक किन्होंने से एक है।

विभाग द्वारा रिक्त पदों की भर्ती पर तेजी से कार्यवाही की जा रही है। शासकीय आयुष औषधालयों और वेंगलों में किया गया था। उत्तर सुरक्षा के साथ सुविधा प्रदान करने वाली सार्व होम तकनीक और डिजिटल होम सुरक्षा समाधानों को अपनाने के साथ, गोदरेज लॉक्स इस विशेष श्रृंखला की उपयोग करते हैं। यह अध्ययन राष्ट्रीय अपराध निकॉर्ड ब्यूरो के आकड़ों में दर्ज सुरक्षा की दृष्टि से 5 प्रमुख संवेदनशील शरणों, अर्थात् मुंबई, दिल्ली, कालकता, भोपाल और बैंगलोर में किया गया था। उत्तर सुरक्षा के साथ सुविधा प्रदान करने वाली सार्व होम तकनीक और डिजिटल होम सुरक्षा समाधानों को अपनाने के साथ, गोदरेज लॉक्स इस विशेष श्रृंखला की उपयोग पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। फिलहाल, डिजिटल लॉक की आय में हिस्सेदारी 4 प्रतिशत है और इस व्यवसाय इकाई का लक्ष्य है। इसे अगले तीन साल में इसे बढ़ाकर लगभग 20 प्रतिशत करना।

## आयुष चिकित्सा पद्धति के विस्तार के लिए जिला अस्पताल में आयुष विंग का संचालन

भोपाल (काप्रा)। आयुष चिकित्सा पद्धति के विस्तार के साथ आयुष विभाग द्वारा मानव संसाधन और अधोसंरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विभाग द्वारा रिक्त पदों की भर्ती पर तेजी से कार्यवाही की जा रही है। शासकीय आयुष औषधालयों और वेंगलों में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से 763 आयुष चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति की जायेगी। राज्य में 102 आयुष औषधालयों के भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं। प्रदेश में 5 जिला आयुष कार्यालय के भवनों का निर्माण तेजी से कार्यालय जा रहा है। आयुष विभाग की संरक्षण को प्रतीक्षा करते हुए विभाग द्वारा रोडमैप बनाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में 238 आयुष हेल्थ एण्ड

वेलनेस सेंटर बनाये जा रहे हैं। इसके साथ ही 50 बिस्तरीय चिकित्सालयों में 10 भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। विभाग द्वारा 22 आयुष विंग का संचालन शुरू किया जा रहा है। यह विंग प्रदेश के एलाइपैथी चिकित्सालयों में विकल्प के आधार पर विशेष व्यवसाय के लिए विकास पद्धति के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। राज्य में 102 आयुष औषधालयों के भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं। प्रदेश में 5 जिला आयुष कार्यालय के भवनों का निर्माण तेजी से कार्यालय जा रहा है। आयुष विभाग की संरक्षण को मजबूती देने के लिये आयुष विभाग द्वारा रोडमैप बनाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

भोपाल। कन्सल्ट्सी और टर्की के समाधान प्रदान करनेवाली अहमदाबाद स्थित विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई - 541735) ट्रिनिटी गणेश प्राइवेट लिमिटेड (जो पहले गणेश कॉर्पोरेशन के नाम से जानी जाती थी) में निवेश पर विचार कर रही है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने में निवेश मॉडल पर काम शुरू कर दिया है। और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कंपनी है जो भूमि सर्वेक्षण और खरीद, परियोजना डिजाइनिंग, वित्तीय अध्ययन, फॉर्डिंग और विपणन के साथ-साथ इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ इन-प्रिसिपल एनओयू किया गया है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है। सितंबर 2023 में, कंपनी ने विवांत डोन रिसर्च सेंटर तंजानिया लिमिटेड के साथ इन-प्रिसिपल एनओयू किया गया था। विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड तकनीकी व्यवसायों जैसे कैड, ड्रॉन, इफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, एआई और रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों के क्रियान्वित किया गया है। कंपनी के शेरावर से विवांत डोन रिसर्च सेंटर तंजानिया लिमिटेड के साथ इन-प्रिसिपल एनओयू किया गया है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॉन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॊन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॊन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॊन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॊन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुपात पर विचार और प्रस्ताव का अनुदीन करने के साथ संचालन में विवरित लाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले ही ड्रॊन और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन पर काम शुरू कर दिया है और अनेक वाले समय में इसे बड़ा बनाने का लक्ष्य है। 2013 में स्थापित, विवांत इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक सिविल निर्माण और इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन का नाम जारी है। इसका द्वितीय भाग में विपणन जारी है।

शेरावर स्वैप्न अनुप